

मु.सं.

104 / 17

दायरा दिनांक

26.07.2017

निर्णय दिनांक

16/5/2018

अनुवान

1. सावत्री देवी पत्नि मोहनलाल जाति अहीर निवासी ग्राम जोडिया तहसील कोटकासिम जिला-अलवर राज०

बनाम

1. राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारी अधिकारी (लैण्ड होल्डर) तहसीलदार कोटकासिम तह० कोटकासिम जिला-अलवर राज०
2. श्रीमान उप-पंजियक महोदय कोटकासिम(अलवर) राज०
3. सिडिकेट बैंक शाखा टपूकडा जरिये शाखा प्रबंधक तहसील तिजारा
4. जयराम पुत्र मूला जाति अहीर निवासी जौडिया तहसील कोटकासिम
5. राजेन्द्र
6. अमरपाल पुत्र बोदनराम
7. गीता
8. मन्जू पुत्री बोदनराम जाति अहीर निवासी राजधोकी तहसील तिजारा
9. गुड्डी पत्नि छोटेलाल
10. विरेन्द्र
11. टेकचन्द
12. विजेन्द्र पुत्रांन छोटेलाल
13. सरोज
14. सन्जू
15. नीकू पुत्रीयान छोटेलाल जाति अहीरान निवासी जौडिया तहसील कोटकासिम जिला-अलवर राज०

-असल प्रतिवादीगण

16. हंसराज
17. सिंहराज पुत्रांन रोहिताश
18. नरपाल पुत्र प्रहलाद
19. गिन्दोडी पत्नि प्रहलाद
20. मोहनलाल पुत्र मूला जाति अहीरान निवासी जौडिया तह० कोटकासिम
21. महावीर
22. किरोडी
23. देवेन्द्र
24. गोपीचन्द पुत्रांन शीशराम
25. मूर्ती

*Perf*  
 उपखण्ड अधिकारी  
 कोटकासिम (अलवर)

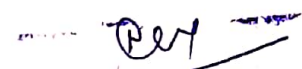
(2)

27. राज पुत्रीयान शीशराम जाति अहीरान निवासी फदनी तहसील व जिला रेवाड़ी हरियाणा  
-फोरमल पक्षकार

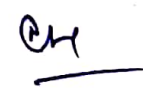
दावा इश्तकरार हक मय दुरुस्ती इन्द्राज मय  
बमय हुक्मईस्तनाईदवामी अन्तर्गत धारा  
88,89,व 188 राज0 काश्तकारी अधिनियम सन 1955

अतः वादिया का वाद इस कदर डिक्री किया जाता है की विवादित आराजी हाल ख0न0  
231/0-16, 232/0-08 वाके ग्राम तुर्कवास तहसील कोटकासिम के 5/9 भाग में वादिया को  
खातेदार कास्तकार घोषित किया जाता है । विवादित भूमि में प्रतिवादीगण के नाम आये अमल को  
कलमजन कर वादिया के नाम राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद किया जावे ।

निर्णय आज दिनांक.....16/04/2018.....को टंकित किया जाकर सरे इजलास सुनाया  
गया ।

  
उपखण्ड अधिकासी  
उपखण्ड अधिकारी  
कोटकासिम (अलवर) राज0

संश्लेषित

10-5-18 प्राथमिकी की प्रतीति पर प्रेषित किया। प्रेषित  
संश्लेषित प्राथमिकी सं. 14 का नाम संजु डिक्री संश्लेषित  
व संश्लेषित सं. 15 का नाम मीलु डिक्री संश्लेषित  
है। इसी संश्लेषित पर प्रेषित । 

ગાંધીનગર રૂપ સ્વયં સંચાલિત કોલેજાઈમ (અણવર) રાજ્ય  
પીઠાસીન સંચાલિત - સી વિજ્ઞાન સેન્ટર ઓફ R.A.S

મુખ્યમંત્રી સંસ્થા  
104/17

તારીખ સેનાંશ  
26.7.2017

નિર્ણય દિનાંશ  
16/04/2018

ઉત્તરણ

[1] સાવત્રી દેવી પાલકી સોલેલાળ ગાંઠે સંચાલિત નિવાસી ગ્રામીણીયા  
તસ્લીમ કોલેજાઈમ (ઓળ) જાળવર (રાજ્ય)  
- વાંચિયા

બંધામ

[1] રાજ્યસભા સંસ્થા સંચાલિત સુવિધા સંચાલિત (નૌક સંચાલ) તસ્લીમ કોલેજાઈમ (અણવર) રાજ્ય

[2] સી મ્યાન રૂપ પંચાયત સંચાલિત કોલેજાઈમ (અણવર) રાજ્ય

[3] સિંઠેર વેળ સંચાલિત રૂપ સંચાલિત ગાંઠે સંચાલિત પ્રવંચક તસ્લીમ સિંચાલ

[4] ગાંઠે સંચાલિત રૂપ સંચાલિત ગાંઠે સંચાલિત નિવાસી ગ્રામીણીયા તસ્લીમ કોલેજાઈમ

[5] રાજ્ય

[6] સંચાલિત રૂપ સંચાલિત

[7] ગીતા

[8] મળ્યુ રૂપ સંચાલિત ગાંઠે સંચાલિત નિવાસી રાજ્યસભા તસ્લીમ સિંચાલ

[9] ગુડી પાલકી સોલેલાળ

[10] સિંચાલ

[11] રાજ્ય

[12] સિંચાલ રૂપ સંચાલિત

[13] સંચાલ

[14] સંચાલ

[15] ગીતા રૂપ સંચાલિત સોલેલાળ ગાંઠે સંચાલિત નિવાસી ગ્રામીણીયા તસ્લીમ કોલેજાઈમ (ઓળ) જાળવર (રાજ્ય)

- સંચાલિત સંચાલિત

- [16] સંચાલ
- [17] સિંચાલ રૂપ સંચાલિત
- [18] ગાંઠે સંચાલિત રૂપ સંચાલિત
- [19] ગીતા પાલકી સંચાલિત

ગાંઠે સંચાલિત -





7.11.17 को एक प्रतीप कार्यवाही की जा चुकी है प्रतीपारी सं. 1 का कोर ले जवाब दाना पेडा किया गया जिसमें संकेत किया कि विवाहित आसानी वाशिया की स्वदेशीय आसानी है पत्राचारण का इलाकी विचार है। एका-सम्पत्तिका कोरें कि निहित नसे है।

वस्य निदान आसानीयक सुनी गई। विद्वान आसानीयक वादी ने अपने वाद में संकेत किये को दोहराया और कहा कि विवाहित आसानी किज वाशिया की रजिस्टर्ड स्वदेशीय आसानी है जो प्रतीपारीय ले 5/9 आग-सम्पत्तिका है। जिसका विधिक नतवाण र्गो होकर जगमजी अवत 2063-2066 अद्वितीय गण। नोलेम इसको वाद को चौकाला में किज वाशिया का नाम काजमजम कर प्रतीपारीयक के नाम का अमज कर दिया। उर गणत कर्णण की सुत में प्रतीपारीय ने नतवाण विचारण व विद्वान कोरें काउं कनवा किया जो प्रतीपारीय आसानी व प्रतीपारीय वासुत है। इसको किज वाशिया कोपनी स्वदेशीय आसानी 5/9 आग की स्वदेशीय काजमजम कोरें करणे व प्रतीपारीय के नाम आये गणत कर्णण को सुकसे करणे की आसानी है।

वस्य विद्वान प्रतीपारीयक वादी पर अजज किया। पत्रावनी सं. 184 गणत कर्णण का अमजोका किया गया। वाशिया आसानीयक का वादण है कि वाशिया ने विवाहित आसानीयक को जाये रजिस्टर्ड कर्णण स्वदेशीय किया जिसका विधिक नतवाण सं. 184 र्गो वो स्वोकार दुपुन कोरें जगमजी सं. 2063-2066 में अमज दराअर किया गया। नतवाण सं. 184 का व जगमजी सं. 2063-2066 का अदरयण किया जिसमें वाशिया के नाम का अमज हो रहा है। सवत 2063-2066 के वाद आये अमज रजसव रिवाडे की जमसंधियों में वो गणत कर्ण होत है। जिस र्गु किया जाना सही प्रती होना है।

अतः वाशिया का वाद उर करर दिवो किया जात है।

उपसपट अधिकारी  
कोनकासिम (अनवर)

विवाहित आसानी दल सं. नं. 231/0-16, 232/0-08 वाले गण। एक वाद तद्वीय कोरकासिम के 5/9 आग में वाशिया को स्वदेशीय काजमजम कोरें किया जात है। विद्वान सुभि में प्रतीपारीयक अमज आये अमज को कजमजम कर वाशिया के नाम रजसव रिवाडे में अमज दराअर किया जात। तदनुसर पचां डिकी जाती है।

लगातार

[5]

निवेदन आज दिनांक 16/04/2018 को श्री सुरेश (वि.स.प.स.)  
उपकार हमारे कारनामा सुनाने के लिए।

PM  
समानता अधिकारी  
कोयंबासिम (अनवर)

अंशोत्तर

10<sup>5</sup>  
/ 8

ए.प.  
अध्यापिका का अंशोत्तर को देखते हुए प्रार्थना कि वे  
कोयंबा को लगे हुए कारनामे के लिए 14 नवंबर से-2018  
अंशोत्तर व दायगी सं. 15 का मामला भी सुनने के दिवसों  
में बली सुनाने पर विचार करें।